Literacy for a Billion

Movie: Mere Mehboob
Year: 1963

Song: Mere mehboob tujhe
Lyricist: Shakeel Badayuni

मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम
फिर मुझे नरगिसी आँखों का
सहारा दे दे
मेरा खोया हुआ रंगीन
नज़ारा दे दे
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम

ए मेरे ख़्वाब की ताबीर
मेरी जाने ग़ज़ल
ज़िन्दगी मेरी तुझे
याद किए जाती है
रात दिन मुझको सताता है
तसव्वुर तेरा
दिल की धड़कन
तुझे आवाज़ दिए जाती है
आ मुझे अपनी सदाओं का
सहारा दे दे
मेरा खोया हुआ रंगीन
नज़ारा दे दे
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम

भूल सकती नहीं आँखें
वो सुहाना मंज़र
जब तेरा हुस्न
मेरे इश्क़ से टकराया था
और फिर राह में
बिखरे थे हज़ारों नग़मे
मैं वो नग़मे तेरी
आवाज़ को दे आया था
साज़े दिल को उन्हीं गीतों का
सहारा दे दे
मेरा खोया हुआ रंगीन
नज़ारा दे दे
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम

याद है मुझको
मेरी उम्र की पहली वो घड़ी
मेरी रग रग में
कोई बर्क़ सी लहराई थी
जब तेरे मरमरी हाथों को
छुआ था मैंने
आ मुझे फिर उन्हीं हाथों का
सहारा दे दे
मेरा खोया हुआ रंगीन
नज़ारा दे दे
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम

मैंने इक बार तेरी
एक झलक देखी है

मेरी हसरत है कि मैं
फिर तेरा दीदार करूँ
तेरे साए को समझकर
मैं हसीं ताजमहल
अपनी महकी हुई ज़ुल्फ़ों का
सहारा दे दे
मेरा खोया हुआ रंगीन
नज़ारा दे दे
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम

ढूँढ़ता हूँ तुझे
हर राह में हर महफ़िल में
थक गए हैं
मेरी मजबूर तमन्ना के क़दम
आज का दिन
मेरी उम्मीद का है आख़री दिन
कल ना जाने मैं कहाँ
और कहाँ तू हो सनम
दो घड़ी अपनी निगाहों का
सहारा दे दे
मेरा खोया हुआ रंगीन
नज़ारा दे दे
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम

सामने आके ज़रा
पर्दा उठा दे रुख़ से
इक यही मेरा
इलाज ए ग़म ए तन्हाई है
तेरी फ़ुर्कत ने
परेशान किया है मुझको
अब तो मिल जा
के मेरी जान पे बन आई है
दिल को भूली हुई यादों का
सहारा दे दे
मेरा खोया हुआ रंगीन
नज़ारा दे दे
मेरे महबूब तुझे
मेरी मोहब्बत की क़सम
मेरे महबूब तुझे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.